Worksheet - 5 Subject: - Hindi Class: - IV Teacher: - Mrs. Jitender Kaur

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 17.04.2020

# सर्वनाम

परिभाषा - संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

## सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छह भेद हैं -

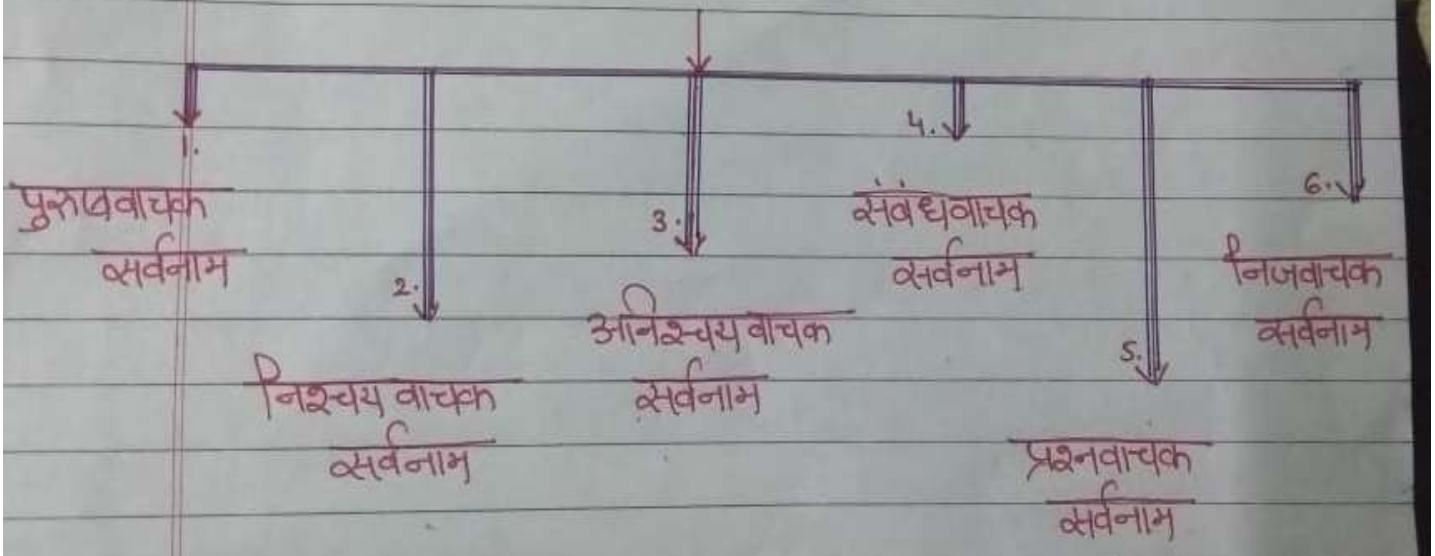


1. पुरुषवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द बोलने वाले, सुनने वाले अथवा जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसके लिए प्रयोग हो; वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे

1. कल मैं दिल्ली जाऊँगा।

2. क्या तुम भी चलोगे?

3. राजू नहीं जाएगा, वह बीमार है।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे -

1. यह मेरी पुस्तक है।
2. वह राम की पुस्तक है।
3. वे सौरभ के खिलौने हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे -

1. दूध में कुछ पड़ा हुआ है।
2. पेड़ के पास कोई खड़ा है।

4. संबंधवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम के साथ संबंध का बोध कराते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे -

1. जो शरारत करेगा, वो दंड पाएगा।
2. जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे -

1. राहुल तुम क्या पढ़ रहे हो?

२. गुड़िया कौन लाया था ?

6. निजवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द कर्ता द्वारा स्वयं के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं ; जैसे -

१. गीता अपनी पुस्तक पढ़ रही है।

२. मैं अपने - आप दूध पी लूँगा।

## अभ्यास कार्य

### कितना सीखा ?

प्रश्न।- उचित सर्वनाम छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

| यह, क्या, खुद, मेरे, कोई |
|---|

क. पेड़े के पीछे _____ खड़ा है।

ख. तुम _____ लिख रहे हो ?

ग. _____ पुस्तक सोहन की है।

घ. _____ चाचा जी डॉक्टर हैं।

ङ. गाँधी जी अपना काम _____ करते थे।

प्रश्न २. नीचे दिए गए सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए -
(छात्र प्र०२ स्वयं करें)

क. तुम -

ख. जो - सो -

ग. कोई -

घ. हम -

ड. उन्हें -

प्रश्न 3. नीचे लिखे गद्यांश में सर्वनाम शब्द पर गोला ○ लगाइए।

रघु ने कहा - आप मुझसे ऐसी गुप्त बात बताने के लिए क्यों कह रहे हैं जिसे मेरे और राजा के सिवाय कोई नहीं जानता। यह सुनकर राजू की घबराहट चौगुनी हो गई, उसने घुटने टेककर रघु के कदमों में सौ मोहरें रखीं और गिड़गिड़ाकर कहा, शाम को मैं आपको इतनी ही मोहरें और दूंगा। कृपया मुझे यह रहस्य बता दीजिए, मैं आपके पाँव पड़ता हूँ।